राष्ट्रीय रेलवे मजदूर संघर्ष समन्वय समिती

मुसावल (५)

१८ जून १९७४ दमननिती विरोध दिन

—: जाहीर सभा :—

स्थल : मजदूर भवन   समय :- शाम ६ बजे

कामगार भाओओ,

रेलवे कामगारोंका देशव्यापी हरताल २८ मे १९७४ को सबेरे छः बजे स्थगित हुआ। यह हमारे व्यापक आंदोलनका प्रथमचरण है। अभी हम हमारी पुरी माँगे हासील नही कर सके। सरकारके दमन निती और गोबेल्स प्रचार तंत्र के फलस्वरुप हमें अपने संघर्षको कुछ स्वल्पविराम देना आवश्यक समझा। इससे कुछ समस्याये हमारे सामने खडी हुओ। हम याद रखें कि यह हमारी नैतिक विजय है। सरकार अपनी दमननिती अभीभी अपनाओे हुओ है। हजारो शांततावादी कर्मचारीओपर अभी मुकदमे जारी है। हजारो ट्रेड युनियन कार्यकर्ता केवल युनियनका काम करनेको अपराध मानकर बरतर्फ है। वे भी इसी छलवाद का शिकार हैं। जिन कर्मचारीओने हरताल मे हिस्सा लिया, उन्हे ड्युटीपर लेनेमे तरह तरहकी हरकते प्रशासन ने की। साथही उनको "अर्जित छुट्टी," "नैमत्तीक छुट्टी" और पास, पी. टी. ओ. की सुविधाओसे वंचित किया और नोकरीमेभी खंड माना जानेवाला है। इन कामकार नितीओके विरोधमें जनमत जागृती और कामगारोंका असंतोष प्रकट करने हेतु समन्वय समितीने मंगलवार दि. १८ जुन १९७४, दमननिती विरोध दिन के रुपमें मनाने का निश्चय किया हैं। आपको निवेदन है कि शाम ६ बजे मजदूर भवन के सामने होनेवाले विशाल सभामें आप हजारो के संख्यामें शामील होईये।

कामगार एकता जिंदाबाद

रा. रे. म. सं. समन्वय समिती
मुसावल

(श्रीराम प्रि. प्रेस, भुसावल)

रेल संघर्ष समन्वय समिति, भोपाल

ादुर रेल मजदूर साथियों,

हाल के रेल संघर्ष में न्याय और हक के लिये, महंगाई रोकने के लिए और समाज में अपनी इज्जत और सही ात के अनुसार माकूल वेतन और बोनस के लिए जिस बहादुरी और जंगमर्दी के साथ आप मैदान में कूदे और सत– संनिक दमन का जिस साहस के साथ आपने सामना किया उसके लिये आपको राष्ट्रीय समन्वय समिति के संयोजक ड जार्ज फर्नान्डिस ने भोपाल के सभी साथियों को हार्दिक बधाइयां और पुरजोश सलाम भेजे हैं। साथ ही का० फर्नान्डिस ने उन सब व्यक्तियों, संस्थाओं, और राजनैतिक पार्टियों के प्रति भी आभार प्रदर्शन किया है जिन्होंने में कूदे रेल कर्मचारियों को सहयोग और सहायता प्रदान की। स्थानीय समन्वय समिति भी आप सबको और अपने ोगियों के प्रति आभार पेश करती है।

सरकारी पुलिस और फौज की शक्ति से टकराने के लिये रेल कर्मचारी संघर्ष में नहीं उतरा था। नेताओं की ामार गिरफ्तारियां ट्रेड यूनियन आन्दोलन पर ऐसा दमन और ऐसा हमला पहिले न कभी देखा और न सुना गया । शायद हमारे देश की प्रजातांत्रिक पद्धति में तरक्की की यह एक नयी कड़ी जुड़ी है इसलिये स्थिति को देखकर ... हड़ताल वापस लेना एक सही कदम था। इस अभूतपूर्व विशाल रेल हड़ताल के दौरान हमारे कई साथी नासमझी– ा पीछे रहे पर उनकी हमदर्दियां हमारे साथ रही। हमें उनसे कोई शिकायत भी नहीं है। परन्तु मजदूर सेवा के नाम र स्वार्थ की दुकान चलाने वाले, सिद्धान्त के नाम पर अपने आकाओं की चिलम भरने वाले और बोनस के लिए बेलट कर लड़ाई की बिगुल बजाने वाले परीक्षा की घड़ी आने पर मुंह छिपाकर बिलों में घुस गये। अपने आपको मजदूर नेता कहने वाले पैसा खोर सरकारी दलाल बन गये और मजदूर विरोधी अपराधपूर्ण काले कारनामों में लग गये। इसके लिये आज सारा रेल समाज उन्हें धिक्कार रहा है। हमारे संघर्ष को बदनाम करने की 'नापाक' कोशिशों में ये लोग खुद ही गिरावट की गर्त में डूब रहे हैं।

अभूतपूर्व एकता के आधार पर लड़ा गया यह शांतिपूर्ण संघर्ष किस कदर सफल रहा इसको सामान्यजन से रेल मन्त्री तक सभी मान गए और इसके परिणामस्वरूप केज्यूअल प्रथा मिटी, काम के घण्टों में कमी की गई, इसके सिवाय तनखवाह और बोनस की मांग भी अधिक दिनों खटाई में नहीं रह सकती, राष्ट्रीय वेतन ढांचे की नीति निर्धा– रण के लिये सरकार पहली बार बाध्य हो रही है और सारे देश का मजदूर सरकारी दमन के बावजूद देशव्यापी मजदूर ए । की ओर बढ़ने लगा है।

प्रशासनिक अफसरों से हमारा कोई व्यक्तिगत झगड़ा न था न है इसमें अनुशासनपालन की कोई कमी नहीं। राष्ट्र के प्रति वफादारी में कोई कमी न हममें थी, न है और न रहेगी। इस विषय में कई बार हम अग्नि परीक्षा में खरे उतर चुके हैं परन्तु अपने जायज हकों के लिये संघर्ष करने का अधिकार हमसे कोई नहीं छीन सकता।

देश का रेल मजदूर अपनी स्थिति सम्मानित नागरिक की हैसियत से जीने योग्य बनाने के लिए सारे देश के मजदूर वर्ग के साथ एकता बनाकर संघर्ष की मंजिलें तय करता हुआ आगे बढ़ता ही जाएगा कोई ताकत उसे रोक नहीं सकेगी।

हाल ही के अध्यादेशों द्वारा जो वेतन व भत्तों पर रोक लगाई गई है, वह सारी मजदूर जमात पर एक गहरा प्रहार है व जिसका विरोध सारे देश के मजदूरों को करना चाहिए।

मजदूर एकता जिंदाबाद !!

रेल कर्मचारी संघर्ष समन्वय समिति, भोपाल

दि. 17-7-74

निर्वलीय प्रेस, भोपाल

Phone: P & T 77479
Rly. 6241

Grams: "RAILWAYMAN"

Zonal Co-ordinating Committee for Railwaymens' Struggle

A. V. K. CHAITANYA, B. A. (Hons.)
Convenor

7-C, Railway Building,
Accounts Office Compound,
Secunderabad-500025.

Ref.

ALL INDIA RAILWAYMEN'S FEDERATION
2614
Date 3276
NEW DELHI

Date...23-4-1974.

SOUTH CENTRAL RAILWAYMEN GIVE STRIKE NOTICE.

There was a mammoth procession of Railwaymen, more than 5,000, including several hundreds of members of Railwaymen's families marched from the FA & CAO's Office to the Rail Nilayam raising slogans on the demands. The Mass meeting was held under the Presidentship of Shri A.V.K.Chaitanya, the Convenor of the Zonal Co-Ordination Committee. The leaders of all the Seven Organisations addressed the gathering and advised the workers to stand united till the demands are achieved. Mr.Y.Eswara Reddy, MP also addressed the gathering supporting the demands. Latter all the Employees demonstrated before the Rail Nilayam before the submission of the Strike Notice.

Mr. A.V.K.Chaitanya, the General Secretary of the South Central Railway Mazdoor Union, Mr. Sriramulu, President of The South Central Railway Employees Union, Mr. V.B.S.R.Sastry, the General Sec retary of the Dakshin Madhya Railway Karmik Sangh, Mr. J.Sathyanarayana, the General Secretary of South Central Railway Workers Union, Mr. M.Somasekhara Rao, the General Secretary of All India Rly. Employees Confederation (South Central Railway Zonal Unit) Mr. Uma Shankar, the Zonal Secretary Indian Railway Technical Supervisor's Association and Mr. Ramakrishna, Secretary, Loco Running Staff Association handed over the Strike Notice to the General Manager of the South Central Railway Mr. P.N.Kaul for an indefinite strike from 6.00 A.M. of 8th May '74.

As per the directive of the National Co-ordination Committee for Railwaymen's Struggle to serve Strike Notices on the respective General Managers, the following Organisatons have served Strike Notices to-day at 14-15 hrs. on the General Manager, South Central Railway for the following demands:

1. Parity of wages with Government Undertakings, 8 hours duty, Upgradation.
2. Full neutralisation for every rise of 4 points in a six months period.
3. Bonus at the rate of 1 month wages for the yeras 1971-72 and 1972-73.
4. Decasualisation of all Casual Labourers.
5. Subsidised Grain Shops.
6. Withdrawal of all Victimisation cases.

Names of the Organisations

1. South Central Railway Mazdoor Union.
2. Dakshina Madhya Railway Karmik Sangh.
3. South Central Railway Employees Union.
4. South Central Railway Employees Confederation.
5. South Central Railway Workers Union.
6. All India Loco Running Staff Association/S.C.Rly. Unit.
7. All India Railway Technical Supervisors Association/ S.C. Railway Unit.

(A.V.K.Chaitanya)
Convenor.